Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

B/107, Harmu Housing Colony, P. O. Doranda,
P. S. Argora, Ranchi - 834 012
Ph. : 0651-2244144

'....उम्मीद बरकरार है.....'

इस्लामनगर ढहाए जाने की बरसी पर
राज्य सभा सांसद परिमल नथवाणी का बयान

6 अप्रैल 2012

निर्मम शासकों और बेरहम पुलिस ने एक साल पहले इसी दिन इस्लामनगर को जिस बर्बरता से ढहा दिया और बसे बसाए लोगों को सड़क पर ला कर रख दिया वह नवनिर्मित राज्य झारखण्ड के इतिहास का काला पन्ना है। जिस तथाकथित उद्देश्य से इस बस्ती को उजाड़ा गया था उस जगह पर उस 'महान उद्देश्य' की परिपूर्ति का कोई चिन्ह आज एक साल बाद भी नजर नहीं आता। आजाद हिन्दुस्तान में बातचीत और न्यायिक तौर तरीकों से मसलों को सुलझाने की दुहाई देनेवालों ने 'जिस अदालत के आदेश' को आनन–फानन में लागू करने के नाम पर बेसहारा लोगों पर जरा भी तरस नहीं खाया, उसी अदालत के फैसले का इन्तजार तक करने का सब्र अधिकारियों और उनके आकाओं में न था। बेदखल लोगों को एक साल में घर दिलाने का अदालती हुक्म अपनी जगह पर है और बेघर लोग अपनी जगह, यानी कि फूटपाथों पर।

दूसरी तरफ, वे पीडित लोग हैं जो आज अपने घरों की गिरती दीवारों पर मातम मनाने के बजाय 'शांति यात्रा' निकाल रहे हैं; इस उम्मीद में कि उनके अपने दुर्दिन जरूर बदलेंगे और जल्द ही उन्हें अपना आशियाना नसीब होगा। देश के इन आम आदमियों की इस उम्मीद का मैं कायल हूं। मेरी उम्मीद भी बरकरार है कि बहुत जल्द इन मासूम लोगों की जिंदगी करवट बदलेगी और एक बार फिर वे आबाद होंगे और बेहतर जिंदगी के मालिक बनेंगे।

यह मामला मानव अधिकार आयोग के पास भी है। मुझे विश्वास है कि मानव अधिकार आयोग भी अपना कर्तव्य निभाएगा और ठोस कदम उठाएगा। राज्य सरकार से भी मेरा अनुरोध है कि जिस क्षेत्र को 'स्लम एरिया' घोषित किया गया था, जिसके लिए फण्ड का प्रावधान कर के टेण्डर भी नकाला गया था उस क्षेत्र के मसले को प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाकर उजड़े लोगों को फिर से बसाने का आज के दिन संकल्प करे। गरीबों की सेवा करने का उद्देश्य तभी सफल होगा।

मैं शांति यात्रा में शामिल इस्लामनगर के और दूसरे तमाम लोगों के लिए अपनी दिली हमदर्दी का इजहार करता हूं, बस्तियां ढहाने की मुहीम में शहीद होनेवालों के लिए प्रार्थना करता हूं और बेघर लोगों को जल्द से जल्द उनका बसेरा मिले इसके लिए दुआ करता हूं।

परिमल नथवाणी